

सत्रीय कार्य पुस्तिका

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.एससी.)

पादप विविधता-1 (एल.एस.ई.-12)

(01 जुलाई, 2012 से 31 मार्च, 2013 तक वैध)

कृपया ध्यान दें

- बी.एससी कार्यक्रम में ऐच्छिक पाठ्यक्रम चार विषयों – रसायन विज्ञान, भौतिकी, गणित और जीव विज्ञान में उपलब्ध हैं। ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के कुल क्रेडिट (56 से 64), कम से कम दो और अधिकतम चार विषयों, में से हो सकते हैं।
- आपके द्वारा चुने गए किसी भी विषय में आपको कम से कम 8 क्रेडिट के ऐच्छिक पाठ्यक्रम लेने होंगे। किसी भी विषय में आप अधिक से अधिक 48 क्रेडिट के ऐच्छिक पाठ्यक्रम ले सकते हैं।
- आप भौतिकी, रसायन तथा जीव विज्ञान के ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के जितने कुल क्रेडिट लेते हैं, उनमें से कम से कम 25 प्रतिशत प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों के होने चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि आप इन तीन विषयों में कुल 64 क्रेडिट के पाठ्यक्रम लेते हैं, तो इनमें से कम से कम 16 क्रेडिट प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों के होने चाहिए।
- किसी पाठ्यक्रम में पंजीकरण कराए बिना आप उसकी सत्रांत परीक्षा में नहीं बैठ सकते। अगर आप ऐसा करते हैं तो उस पाठ्यक्रम का परीक्षाफल रोक दिया जाएगा और इसका दायित्व भी आप पर ही होगा।



विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

(जुलाई 2012 चक्र के लिए)

सत्रीय कार्य

एल.एस.ई - 12

(01 जुलाई, 2012 से 31 मार्च, 2013 तक वैध)

प्रिय विद्यार्थी,

आपको इस पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सत्रीय कार्य करने संबंधी निर्देश, कार्यक्रम दर्शिका के उपभाग 7.1 – सत्रीय कार्य में दिये गये हैं। आप सत्रीय कार्य आरंभ करने से पहले दिये गए निर्देशों को अवश्य पढ़ लें।

यह सत्रीय कार्य 31 मार्च 2013 तक के लिए वैध है। अपने शिक्षण में इसका भरपूर उपयोग कर पाने के लिए आप अपने सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका को पाठ्यक्रम के मिलने के बाद 14 हफ्तों के भीतर अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयकर्ता के पास भेज दें।

आप सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका की एक प्रति अपने पास अवश्य रख लें।

शुभकामनाओं सहित

कोर्स टीम (एल.एस.ई.- 12)



Credit: topolewski.com

सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड: एल.एस.ई.-12/टी.एम.ए./2012-13
अधिकतम अंक: 100

- 1 अंतःसहजीवन सिद्धांत की व्याख्या कीजिए। इसमें विभिन्न पादप वर्गों के विकास को किस प्रकार प्रतिपादित किया गया है, समझाइए। 5
- 2 सायनोबैक्टीरिया, कवकों, शैवालों, ब्रायोफाइटों तथा टेरेडोफाइटों प्रत्येक के दो-दो पहचान लक्षण लिखिए। 5
- 3 निम्नलिखित के प्रमुख लक्षणों तथा प्रकार्यों का उल्लेख कीजिए: 5
वायु घानियां, हेटेरोसिस्ट, निश्चेष्ट बिजाणु, पाइरीनॉइड तथा नेत्रबिन्दु।
- 4 *यूलोथ्रिक्स* में प्रजनन के तरीके क्या हैं? नामांकित चित्रों की सहायता से इस जीनस में दो प्रकार के जीवन चक्रों की व्याख्या कीजिए। 5
- 5 भूरे तथा लाल शैवालों के विशिष्ट लक्षणों तथा उपयोगों को विस्तार से बताइए। 5
- 6 शैवालों के आवासों पर एक विस्तृत लेख तैयार कीजिए। 5
- 7 शैवाल मृदा को किस प्रकार उन्नत बनाने में मदद करते हैं? समझाइए। 5
- 8 कवकों की सूक्ष्म संरचना का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 5
- 9 स्पष्ट तथा नामांकित चित्रों की सहायता से डबलरोटी की फंफूदी की प्रकृति, आवास, संरचना तथा जीवन चक्र का विवरण प्रस्तुत कीजिए। 5
- 10 निम्नलिखित रोगों के लक्षण क्या हैं? 5
पिंडित ऊर्ण, आनन-छाजन, स्पोरोट्राइकोसिस, दाद तथा फेवस।
- 11 पांच कवकों के उदाहरण दीजिए जो मानवों के लिए लाभदायक हैं। 5
- 12 लाइकेनों को वनस्पति का अगुआ क्यों माना जाता है? 5
- 13 आप लाइकेनों को किसका उदाहरण मानते हैं सहोपकारिता का या नियंत्रित परजीवन का? इसकी विवेचना कीजिए। 5
- 14 जलीय पौधों को विकास के दौरान नये पर्यावरणों में स्थानान्तरण के लिए किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा? 5

- 15 ब्रायोफाइटों में बिजाणु-उद्भिदों के विकास की मुख्य घाराओं का उदाहरणों तथा चित्रों की सहायता से वर्णन कीजिए। 5
- 16 ब्रायोफाइट बागबानों तथा उद्यान-वैज्ञानिकों के लिए खासतौर पर मूल्यवान क्यों हैं? उपयुक्त उदाहरणों द्वारा इसकी व्याख्या कीजिए। 5
- 17 नामांकित चित्रों की सहायता से *एक्वीसीटम* की शुष्कतानुकूलित तथा जलानुकूलित विशेषताओं को विस्तार से बताइए। 5
- 18 *एक्वीसीटम*, *मार्केशिया*, तथा *एन्थोसिरोस* के इलेटरों की तुलना कीजिए। साफ तथा नामांकित चित्रों द्वारा अपने उत्तर को स्पष्ट कीजिए। 5
- 19 *सैलाजिनेला* में प्रजनन की प्रक्रिया तथा प्रजनन अंगों की संरचना के कौन से पहलू इसकी बीज प्रकृति तक पहुंचने के संकेत देते हैं? समझाइए। 5
- 20 टेरिडोफाइटों के जीवन चक्र की कौन सी अवस्थाएं घुवीयता प्रदर्शित करती हैं? *एक्वीसीटम* में घुवीयता की अभिव्यक्ति का वर्णन कीजिए। 5

*****एल.एस.ई.-12 (जुलाई 2012)*****